हे नाथ जानी अजान बालक | By Mukesh Kumar |

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

हे नाथ जानी अजान बालक, विश्वनाथ महेश्वरम्,
करिके कृपा दीजो दर्श अविनाशि शंकर सुन्दरम् ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

आया शरण हूँ आपकी इतनी अनुग्रह कीजिये,
जय चन्द्रमौलि कृपालु अब तुम दर्श मोको दीजिये ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

ले रामनाम निशंकर कीन्हीं है गरल आहार तुम,
भव-सिंधु से नैया मेरी कर देना भोला पार तुम ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

मनसा वाचा कर्मणों से, पाप- अति हमने कियो,
आयो शरण शरणागति की सुध नहीं अब तक लियो ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

अब तो तुम्हारे हाथ है, गिरजापती मेरी गती,
जय पशुपती, जय पशुपती, जय पशुपती, जय पशुपती।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

जय जयति योगेश्वर तुम्ही, बल-बुद्धि के प्रकाश तुम,
मन-मन्द बीच निवास करिये, जान जन सुखराशि तुम ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

लज्जा हमारी रखना शिव आपके ही हाथ है,
तुमसा ना कोई दयालु भक्त, कृपालु दीनानाथ है।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

त्रय-ताप मोचन जय त्रिलोचन पूर्ण पारावार जय,
कैलाशवासी सिद्धकाशी, दया के आगार जय ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

शिव दया के सिन्धु हो, जन है शरण जन फेरिये,
करिके कृपा की कोर शंकर दीन जैन दिशि हेरिये।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

शुभ वेल के कुछ पत्र है, कुछ पुष्प है मन्दार के,
फल है धतूरे के घरे कछु संग अछत धारि के ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

सेवा हमारी तुच्छ है, फल कामना मन में बड़ी,
पर आशा भोलानाथ से रहती हृदय में हर घड़ी।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

हे विश्वनाथ महेश अपनी भक्ति कृपया दीजिये,
निर्भर निडर निशक करिये, शक्ति अपनी दीजिये।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

हों सत्य-ब्रतधारी हृदय में, भावना ऐसी भरे,
बम बम हरे, बम बम हरे, बम बम हरे, बम बम हरे ।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

मण्डित जटा में गंग धारा, ताप लोको के हरे,
शशिभाल तब यश चन्द्रिका, सबके हृदय शीतल करें।

नाथ जय जय नाथ
भोलेनाथ शंकर नाथ
विश्वनाथ शंकर नाथ

वर दे वरद वरदानियों, धन-धान्य से धरती भरे,
जय शिव हरे, जयशिव हरे, जयशिव हरे, जय शिव हरे ।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%95-by-mukesh-kumar/